

**Shree Greater Bombay Vardhman Sthanakvasi Jain Mahasangh**

Conducted

**MATUSHREE MANIBEN MANSI BHIMSHI CHHADVA -DHARMIK SHIKSHAN BOARD**

Website : jainshikshan.org

E-mail : jainshikshanboard@gmail.com

११ अगस्त २०१९ – प्रश्न पेपर – गुण – १०० समय : २ से ५

**श्रेणी – ४**

प्र. १ क) नीचेना पाठनी पूर्ति करो. (कोईपण सात)

(५०)

(१४)

१. सूप विहिं ..... पाणिय विहिं.
२. संविभाग व्रत ..... असणं.
३. पच्छाकम्मियाअे ..... पारिसाडणियाअे.
४. माणसिओ ..... दुज्झाओ.
५. संजय ..... अनियाणो.
६. सिव ..... मव्वाबाह.
७. हीणक्खरं ..... घोसहीणं.
८. प्राणातिपात ..... क्रोध.

ख) नीचेना शब्दोना गुजराती अर्थ लखो.

(९)

- |                 |            |         |                  |            |
|-----------------|------------|---------|------------------|------------|
| १. अब्भणुण्णाअे | २) घोसहीणं | ३) समणे | ४) पावकम्मोवअेसं | ५) कम्मओणं |
| ६. तक्करप्पओगे  | ७) सामाइअे | ८) मयल  | ९) मोणेणं        |            |

ग) नीचेना शब्दोना मागधी शब्द लखो. (कोईपण सात)

(७)

१. धूपनी जात, वजन नी मर्यादा.
२. जमीन संबंधी जूठ.
३. मिथ्यात्वीना मतनी इच्छा करवी.
४. विचरीश.
५. एक करण.
६. गुरुसाक्षी अे गहाँ करु छु.
७. सत्कार करु छुं.

घ) नीचेना प्रश्नोना जवाब लखो. (कोईपण आठ)

(१६)

१. व्रत अेटले शुं ? बीजु अणुव्रत शेना विशेनुं छे ?
२. परमार्थ कोने कहे छे ? परपाखंड अेटले शुं ?
३. अचौर्य व्रतना पालनथी कया गुणो प्राप्त थाय ?
४. पाढियारी अने अपाढियारी वस्तुओ कोने कहे छे ?
५. ओषध अने भेषज मां शो करे छे ?
६. छठ व्रत अने दशमा व्रतमां शुं फरक छे ?

७. आत्माने अनर्थदंडनुं पाप लागे तेवां कार्यो वर्णवो.
८. आगम केटला प्रकारना ज्ञानना पाठमां बताव्या छे ? कया कया ?
९. उपभोग – परिभोग कोने कहे छे ?

- च) धर्मध्यानना काउस्सग ना आधारे जवाब लखो. (५)
१. धर्मध्यानना केटला भेद छे ? कया कया ? (२)
  २. धम्मकहा एटले शुं ? (१)
  ३. अणिच्चाणुप्पेहा कहेता शेनुं चिंतन करवुं ? (१)
  ४. अधोलोक मां भवनपतिनां भवनो केटलां छे ? (१)

- प्र. २ तत्व / संस्कार विभागना आधारे जवाब लखो. (३०)
- क) कोईपण सात (१४)
१. फक्त व्याख्या लखो. अ) इन्द्रिय ब) तत्व
  २. पांत्रीस बोलमाथी ५ मो, १० मो, १५ मो, २० मो बोल कयो छे ? फक्त नाम लखो.
  ३. बंधना भेद केटला छे ? कया कया ?
  ४. पहेलो बोल आखो लखो.
  ५. अेकवीसमो बोल आखो लखो.
  ६. समवाय केटला ? समकित केटला ? साधुना पांच महाव्रत ना भांगा केटला ? शरीर केटला ?
  ७. जेना जवाबमां छहोय तेवा बोलना नाम लखो. कयो बोल छे ? ते लखो (कोइपण २)
  ८. छेल्ला ४ निर्जरा ना भेद लखो. (१२ मांथी)

- ख) जोडकां जोडो. (३)
- |                    |   |            |
|--------------------|---|------------|
| १. श्रावकना २१ गुण | - | मनुष्य     |
| २. निक्षेपा        | - | ज्ञान      |
| ३. मोक्ष           | - | केवळदर्शन  |
| ४. उपयोग           | - | नाय        |
| ५. श्रोत्रेन्द्रिय | - | विनयशील    |
| ६. घाति            | - | मिश्र शब्द |

- ग) साचु चे के खोटुं ते लखो. (३)
१. आहार ए पर्याप्ति छे.
  २. तिर्यच ए जाति छे.
  ३. जेनाथी वस्तुने विशेष रुपे जाणवी अे दर्शन छे.
  ४. भंड उपकरणा नी यत्ना करे अे संवर नो भेद छे.
  ५. पाखंडी ना रुदुपू भेद छे.
  ६. ज्ञेना समन्वय थी मार्य थाय ते समवाय छे.

- घ) संस्कार विभाग ना आधारे प्रश्नो ना जवाब लखो. (कोइपण त्रण) (६)

१. कटाकडा कोडवाथी ८ कर्म केवी रीते बंधाय छे ?

२. टी.वी. ना शारीरिक नुकसान क्क्यां ?
३. जैन धर्म मां शेमां जीव छे तेम बताव्युं छे ? मोक्ष जवानो मार्ग कयो धर्म बतावे छे ?
४. क्रोधनो नाश शेनाथी करशो ? कोने जीतवो सौथी वधारे जरुरी छे ? परमात्मा कोने कहे छे ? नम्रता राखीने शेनो नाश करशो ?

च) खाली जग्या पूरो.

(४)

१. कटाकडां थी झेरी धुमाडाथी ..... बगडे, ..... वधे.
२. सिनेमाना हीरो – हीरोईन नी नकल करवाथी ..... नो तेम ज ..... नो नाश थाय छे.
३. वस्तुना स्वभाव ने ..... कहे छे. जैन धर्म ..... अे बतावेल छे.
४. मान अेटले ..... क्रोध अेटले .....

प्र. ३ क) वार्ताना आधारे जवाब लखो.

(१०)

१. मेघरथ नां लग्न कोनी साथे थयां ? (२)
२. रोहिणेय चोरे पोताना चोरपिताने तेमना मृत्यु वखते शुं वचन आप्युं हतुं ते लखो. (१)
३. श्रेणिक महाराजा पधार्या छे – मातानी आ वात सांभळीने शालिभद्रे शुं विचार्युं ? (१)
४. धर्मरुचि अणगार ना गुरुनुं नाम शुं हतुं ? (१)
५. नागश्री मरीने क्क्यां गई ? (१)

ख) फक्त हा के ना लखो.

(२)

१. मेघरथ अने धनरथ बंने भाइओ हता.
२. देवोना गळानी माळाओ कायम मरकायेली होय छे.
३. शालिभद्र ना लग्न आठ सुशील कन्याओ साथे थया हता.
४. चंपानगरीमां रहेता सोम – सोमदत्त – सोमभूति त्रणे सगा भाईओ हता.

ग) खाली जग्या पूरो.

(२)

१. भगवाननी वाणी मारा माटे महान ..... बनी गइ.
२. .... नगरनी पासे शालिग्राममां ..... नामनी स्त्री रहेती हती.
३. जीवनना अंतिम समये संथारो करीने मृत्यु पामीने रेहिणेय ..... मां उत्पन्न थया.

प्र. ४. काव्यपूर्ति करो. (कोइपण पांच)

(१०)

१. भूत भाविने ..... मुज पोतातणुं.
२. मृगनयनी ..... आ पापपी.
३. हुं शुध्ध ..... फेरा फर्या.
४. औषध विशे ..... पीधी स्वादथी.
५. हुं कामधेनु ..... करुणा कइ.
६. ताराथी न ..... थाये घणी.

॥ जय जिनेन्द्र ॥